**श्रीमद् भक्ति श्रवण वंदना स्तोत्रम्**

मधु-वसंत फाल्गुनी होलिमग्न वृंदावन फ़ाग भूषितम्
गौर पूर्णिमा शुभलग्न जातकम्
महाप्रेम अवतारी करुणा पाराबारी भुवन-मंगल कारणम्
प्रणमामी गौरहरी श्रवण-तीर्थ पदम्।।

उज्ज्वल-सजल युगल करुणा निर्झर नयन कमलं
शांत गम्भीर चपल सुंदर भ्रमर कृष्णक्षि तारका युगलम्
सुदीप्त नासिका सयतनेन तिलक रचितम्
उत्फुल्ल मुख कमल-सुंदर शोभित फुल्ल रक्ताधरम्।
प्रणमामी गौरहरि श्रवण तीर्थ पदम्।

पूर्व राग रंजित अरुण तरुण प्रभात रवि नव किशलय रूप तारुण्यामृत स्नानम्
अस्तमित पश्चिम दिगंत अविरावृत गैरिक सुषमा लावण्यामृत स्नानम्
मिलन विरह विधुर मधुर तव स्मरणम्,
प्रणमामी गौरहरि श्रवण तीर्थ पदम्।।

क्षीण कटी तट धृत मोहन गैरिक समाद्रितम्,
मोहन पदविक्षेप तरंग भंग रचितम्,
उज्ज्वल अरुण-वसन तरुण-कांति लावण्य धूतिम्,
प्रणमामी गौरहरि श्रवण तीर्थ पदम्।।

हास्यरसोज्ज्वल मुख-कमल मौन मुखरम विषाद मधुरम्
भक्त-हृदय वृंदावन विहारी लीलनंद्कारी नयनानंद दायकम्,
भक्त हृदपद्म स्थित चिन्मय मूर्ति सदा स्फूरितम्।
प्रणमामी गौरहरि श्रवण तीर्थ पदम्।।

मुखारविंद मुखरित सदा हरिनाम संकीर्तनम्,
भक्त अगणित अलिकूल मुखारविंद परिवृत्य सदा गुंजरितम्,
मनोरम भक्त-हृदय राज्य राजाधिराजम्।
प्रणमामी गौरहरि श्रवण तीर्थ पदम्।।

मुख-पद्म निःसृत भागवतामृत वीणा-विनिंदित सुधाधारम्।
तृषित भक्त चातक चित्त सुखेन करोति पानम्,
प्रणमामी गौर्हरि श्रवण तीर्थ पदम्।।

नित्य सत्य शुद्ध बुद्ध निर्विकार निरंजनम्
योगमाया समाश्रित चिद्घन तनु प्रकाशितम्
योगमाया समावृत निज-जन परिव्रत महामहिमा उद्भासितम्,
प्रणमामी गौर्हरि श्रवण तीर्थ पदम्।।

रासकेली वर्णाधिकारी रास होली नायकम्
रासलीला टीकाकार रास रस अधिश्वरम्,
धीर ललित आप्ततृप्त आप्तकाम आत्माराम राममम् ,
भैरव बाबाजी स्नेह-सिक्त बाल गोपालम्,
प्रणमामी गौर्हरि श्रवण तीर्थ पदम्।।

कामना आरती मोहन-मनोहर मूर्ति स्निग्ध नयनानंद दायकम्
हे करुणा निधान प्राण पुष्पांजलि गृहयताम्
हे चिर-सुंदर चिर-किशोर चिर-नवीनम्,
प्रणमामी गौहंरि श्रवण तीर्थ पदम्।।

पतीनां पति मीरायाः पति हास्याः गति सर्व कारण कारणम्
सज्जन रंजन हास्याः जीवन व्रज जीवन व्रजनाथम्,
अशोक अभय अमृत आधार युगल चरण-पद्म दीन भक्त सम्पदम्
प्रणमामी गौहंरि श्रवण तीर्थ पदम्।।

इति गौरदासी विरचितम श्री श्रीमद भक्ति श्रवण तीर्थ महाराज्ः
वंदना स्तोत्रम सम्पूर्णम्।।